Eczema, Asthma

DATE 22/08/08

Juhi Paliwal. [redacted]

जूही मेरी ग्यारह साल की बेटी है। जिसे आज से दस साल पहले अस्तमा का पहला दौरा पड़ा था। जब वह एक साल की थी। मैंने उसके लिए अच्छे से अच्छे बड़े डॉक्टर के पास जाकर ~~इजा~~ इलाज करवाया। एक से तीन साल के भितर पाँच बार अस्पताल में उसे रखा गया। अंत में सन 1999 में डाक्टर सुनिल मेहरा के विषय में हमे जानकारी प्राप्त हुई। मैंने उनके पास जूही का इलाज शुरू करवा दिया। धीरे-धीरे ही सही पर सन 2005 तक जूही का अस्तमा बिलकुल ~~ठीक~~ ठीक हो गया इन छह सालो में जूही को सिर्फ तीन बार अस्तमा का मामूली सा दौरा पड़ा जो की होमियोपैथी दवाइयों से दो तीन दिन में ही ठीक हो गया। आज मेरी बेटी बिलकुल ठीक है। इस बीच हमने डाक्टर दवारा बताई गई हर एक बात का ध्यान दिया। उनकी सलाहों पर अमल किया था पर, बीच बीच में बच्ची कुछ गलत चीजें जैसे चॉकलेट, आइस्क्रीम आदि चीज़ें खा लिया करती भी थी पर उसे बहुत ज्यादा तकलीफ न होती ~~इन~~ इन वर्षो में हमने कभी भी एलोपैथी दवाईयों का सेवन नही करवाया।

सन 2006 में जूही के हाथों मे और पैरों में कुछ खुजली सी होनी शुरू हुई और छोटे-छोटे ~~छ~~ लाल दाने उभर आए जो आगे बढ़ते-बढ़ते त्वचा के रोग (Eczema) में बदलने लगे। इसके लिए भी हमने डॉक्टर सुनिल मेहरा की राय ली और फिर से उसका इलाज शुरू करवाया दवाइयो के साथ परहेज का भी पूरा-पूरा ध्यान रखा गया। और धीरे-धीरे उसकी त्वचा भी पूरी तरह ठीक हो गई।

आज जूही आईस्क्रीम कोल्ड्रीक जैसी चीज़े आराम से (डाक्टर के बताए तरीके से) ~~आराम से~~ खा लेती है।

NEXT PAGE

Scanned by CamScanner

और उसे ~~अस~~ अस्तमा या Eczema जैसी कोई शिकायत ~~नही~~ नहीं। आज उसके शरीर ~~मे~~ में इतनी ताकत है कि वह छोटी मोटी सर्दी जुखाम भी सहन कर कुछ दिनो ~~मे~~ मे कभी-कभी अपने आप ~~ठीक~~ ठीक हो जाया करती है।

आज मेरी बच्ची तंदरुस्त है और उसका कारण होमियोपैथी दवाईयों के साथ-साथ डाक्टर साहब ~~श्री~~ का सही इलाज है। आज मैं डाक्टर सुनील मेहरा की बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूँ कि मेरी बच्ची आज एक तंदरुस्तथ जीवन जी रही है।

धन्यवाद

Paliwal